विहार विधान-सभा वादवृत्त।

बुधवार, तिथि ११ सितम्बर १९६३।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार, तिथि ११ सितम्बर १९६३ को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष डा० लक्ष्मीनारायण सुधांशु के सभापतित्व में प्रारंभ हुआ।

सभा नियमावली के नियम "८९" के अनुसार प्रश्नों के लिखित *उत्तरों का सभा की मेज पर रखा जाना।

श्री दीप नारायण सिंह—महाशय, मैं तृतीय विहार विधान-सभा के चतुर्थ सत्र (फरवरी—अप्रील) १९६३ के शेष २,७८५ प्रश्नों में से ११३ प्रश्नों के लिखित उत्तर सभा की मेज पर रखता हूँ। शेष प्रश्नों के उत्तर बाद में उपलब्ध कराये जायेंगे।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर।
Short Notice Questions and Answers.

भागलपुर नगरपालिका का चुनाव।

१। श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह और श्री सत्येन्द्र नारायण अग्रवाल—क्या मंत्री, स्थानीय स्व-शासन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि भागलपुर नगरपालिका करीब आठ वर्षों से सुपर-सीडेड है;

(२) क्या वहां के जिलाधीश और कमिश्नर ने गत सात वर्षों से म्युनिसिपैलिटी का इन्सपेक्शन किया है, अगर हां, तो उनकी रिपोर्ट क्या है, अगर नहीं, तो क्यों;

(३) क्या यह बात सही है कि भागलपुर के नागरिकों का एक शिष्टमंडल नगरपालिका के शासन एवं चुनाव कराने के संबंध में मुख्य मंत्री एवं स्थानीय स्व-शासन मंत्री से मिला था;

(४) क्या सरकार उक्त नगरपालिका का शीघ्र चुनाव कराने का विचार रखती है, अगर हां, तो कबतक; अगर नहीं, तो क्यों?

*देखिये परिशिष्ट २।

बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली के नियम ९१ (४) के अनुसार सभा-मेज पर रखे गये प्रश्नोत्तर।

APPENDIX 1.

Questions and Answers laid on the Table under rule 91(4) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Bihar Legislative Assembly.

एस० एस० हाई स्कूल, भगवानपुर को चलाना।

११७। श्री सभापति सिंह—क्या शिक्षा मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि सारन जिला अन्तर्गत एस० एस० हाई स्कूल, भगवानपुर में बहुत दिनों से प्रबन्ध समिति कार्य नहीं कर रही है;

(२) क्या यह बात सही है कि हाई स्कूल के भूतपूर्व मंत्री श्री शिवजी सिंह ने प्रबन्ध समिति तथा सरकार के विरुद्ध एक दीवानी का मुकदमा दायर किया था, जिसमें उनकी एकतरफा डिग्री होने के फलस्वरूप जो अस्थायी समिति कार्य करती थी, वह निष्क्रिय हो गयी जिससे स्कूल की हालत दिनों दिन बिगड़ती जा रही है तथा स्कूल टूटने पर है;

(३) यदि उपरोक्त खंडों का उत्तर हां में है तो सरकार उक्त स्कूल को सुचारु रूप से चलाने के लिये कौन-सा प्रबन्ध करने जा रही है?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—(१) उत्तर नकारात्मक है।

(२) प्रथम अंश का उत्तर स्वीकारात्मक है पर सरकार को ऐसी सूचना नहीं है कि समिति निष्क्रिय है तथा स्कूल टूटने पर है।

(३) विद्यालय को सुचारु रूप से चलाने के लिये स्कूल की प्रबन्ध समिति का पुनर्गठन करना आवश्यक है और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पुल का निर्माण।

११८। श्री राजपति राम तथा श्री एक नारायण चौधरी—क्या मंत्री, स्थानीय स्वशासन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिले के जाले प्रखंड में २७८ नम्बर सड़क अहिल्या स्थान से गौतमकुण्ड होती हुई नरौध बिहारी तक जाती है;

(२) क्या यह बात सही है कि इस सड़क के बीच गौतमकुण्ड के पास एक नदी है जिसपर पुल नहीं है;

(३) यदि उपरोक्त खडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो उस नदी को पार करने के लिये क्या व्यवस्था है ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(३) उत्तर स्वीकारात्मक है ।

(३) बरसात में नदी पार करने के लिये नाव की व्यवस्था रहती है और बरसात के बाद नदी सूख जाती है ।

दरभंगा जिला पर्षद् को सेस का रुपया नहीं मिलना ।

११९ । श्री एक नारायण चौधरी—क्या मंत्री, स्थानीय-स्व-शासन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) दरभंगा जिला पर्षद् को सरकार से सेस की कितनी रकम अभी नहीं मिली है;

(२) क्या यह बात सही है कि रुपये के अभाव में इस जिले की सड़कों की मरम्मत नहीं हो रही है, यदि हां, तो बकाया कब मिलेगा ?

श्री सत्येन्द्र नारायण सिंह—(१) प्रशासक, जिला पर्षद्, दरभंगा के प्रतिवेदन के अनुसार दिनांक १ अप्रील १९६३ तक ४३,००,४९३ रु० सेस की राशि बाकी होती है लेकिन इसका ठीक-ठीक हिसाब अभी नहीं हो पाया है । इसकी छान-बीन सरकार से कराई जा रही है ।

(२) रुपये के अभाव में सड़कों की मरम्मत सुचारु रूप से नहीं हो पाती है । बकाया सेस की राशि दिलाने के लिये प्रयास किया जा रहा है ।

CONSTRUCTION OF BRIDGE.

120. Sri MD. HUSSAIN AZAD : Will the Minister for Local Self-Government be pleased to state—

(1) whether it is a fact that there is a District Board road running from Thakurganj via Behbuldang to Sonapur within Kishanganj Subdivision, district Purnea;

(2) whether it is a fact that there was a wooden bridge in the said road over the Borhimari river and the bridge is known as Borhimari bridge near Thakurganj;

(3) whether it is a fact that the said bridge has been damaged and the people are facing great difficulties specially during the rainy seasson;

(4) if the answers to the above clauses be in the affirmative whether Government propose to construct the bridge before the rainy season, if not, why ?